



## दुनिया भर में रिकॉर्ड तोड़ता मौसम

 [drishtiias.com/hindi/printpdf/extreme-weather-is-already-breaking-records-around-the-world-in-2019](http://drishtiias.com/hindi/printpdf/extreme-weather-is-already-breaking-records-around-the-world-in-2019)

### चर्चा में क्यों?

कुछ ही हफ्तों के अंतराल में, इस साल दुनिया भर में मौसम के तापमान ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। एक ओर जहाँ अमेरिका के मध्य-पश्चिमी क्षेत्रों में तापमान शून्य से 30 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट देखी गई वहीं ऑस्ट्रेलिया के कुछ हिस्से में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुँच गया।

- अमेरिका के शहर शिकागो का तापमान शून्य से 30 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला गया जो कि जनवरी 1985 के -32° सेल्सियस के तापमान से थोड़ा ऊपर है।
- मध्य-पश्चिमी राज्यों- विस्कॉन्सिन, मिशिगन और इलिनॉय के साथ ही आमतौर पर गर्म रहने वाले दक्षिणी राज्यों- अलबामा और मिसीसिपी में आपातकाल घोषित कर दिया गया है।
- अत्यधिक ठंड की स्थिति आर्कटिक की तेज़ हवाओं के कारण हुई है, जिन्हें **ध्रुवीय भंवर/पोलर वॉर्टेक्स (Polar Vortex)** घटना के रूप में जाना जाता है।

### क्या है पोलर वॉर्टेक्स?

- यह पृथ्वी के ध्रुवों के आस-पास कम दबाव और ठंडी हवा का एक बड़ा क्षेत्र है।
- यह ध्रुवों पर हमेशा मौजूद होता है तथा गर्मियों में कमजोर पड़ता है, जबकि सर्दियों में प्रबल हो जाता है।
- शब्द '**वॉर्टेक्स**' हवा के प्रतिप्रवाह (Counter-Clockwise) को संदर्भित करता है जो ठंडी हवा को ध्रुवों के पास रोकने में मदद करता है।
- उत्तरी गोलार्द्ध में सर्दियों के दौरान कई बार पोलर वॉर्टेक्स में विस्तार होता है जो जेट स्ट्रीम के साथ दक्षिण की ओर ठंडी हवा को भेजता है।

polar

यह मौसम की ऐसी विशेषता के बारे में बताता है, जो हमेशा से मौजूद रही है। हालाँकि जब भी हम पृथ्वी की सतह पर आर्कटिक (Arctic) क्षेत्रों से आने वाली बेहद ठंडी हवाओं को महसूस करते हैं, तो यह घटना कभी-कभी पोलर वॉर्टेक्स से जुड़ी होती है।

## पोलर वॉर्टेक्स : कुछ अन्य तथ्य

- पोलर वॉर्टेक्स कोई नया शब्द नहीं है बल्कि यह हाल के वर्षों में अधिक लोकप्रिय हुआ है। यह शब्द पहली बार लिट्टेल्स लिविंग एज (Littell's Living Age) के 1853 के अंक में सामने आया था।
- यह एक ऐसी आकृति (Feature) भी नहीं है जो पृथ्वी की सतह पर मौजूद है।
- यह केवल अमेरिका तक ही सीमित नहीं है। यूरोप और एशिया के हिस्से भी पोलर वॉर्टेक्स के कारण ठंड बढ़ने का अनुभव करते हैं।
- यह स्वयं बहुत अधिक खतरनाक नहीं है लेकिन इसके साथ आर्कटिक से आने वाली ठंडी हवा से लोगों को खतरा हो सकता है।

## कब अत्यधिक ठंड का कारण बनता है पोलर वॉर्टेक्स?

सर्दियों के दौरान पोलर वॉर्टेक्स कभी-कभी कम स्थिर होता है और इसमें विस्तार होता है। कई बार सर्दियों के दौरान उत्तरी गोलार्द्ध में पोलर वॉर्टेक्स (उत्तरी) का विस्तार होता है जिसके कारण जेट स्ट्रीम के साथ दक्षिण की ओर ठंडी हवा प्रवाहित होती है। इस घटना को **पोलर वॉर्टेक्स** नाम दिया गया है।

pole

आमतौर पर, जब वॉर्टेक्स प्रबल अवस्था में होता है, तो यह हवा के प्रवाह को बनाए रखने में मदद करता है, जिसे दुनिया भर में घूमने वाले जेट स्ट्रीम के रूप में जाना जाता है। यह धारा उत्तर की ओर ठंडी हवा और दक्षिण की ओर गर्म हवा को बनाए रखती है।

### क्या सभी ठंडे मौसम पोलर वॉर्टेक्स का परिणाम हैं?

---

नहीं, यद्यपि पोलर वॉर्टेक्स हमेशा उत्तर की ओर विद्यमान रहता है, फिर भी यह बहुत ही असामान्य स्थितियों में कमजोर पड़ता है और दक्षिण की ओर पलायन करता है।

स्रोत : द हिंदू, इंडियन एक्सप्रेस तथा **NOAA** वेबसाइट

---